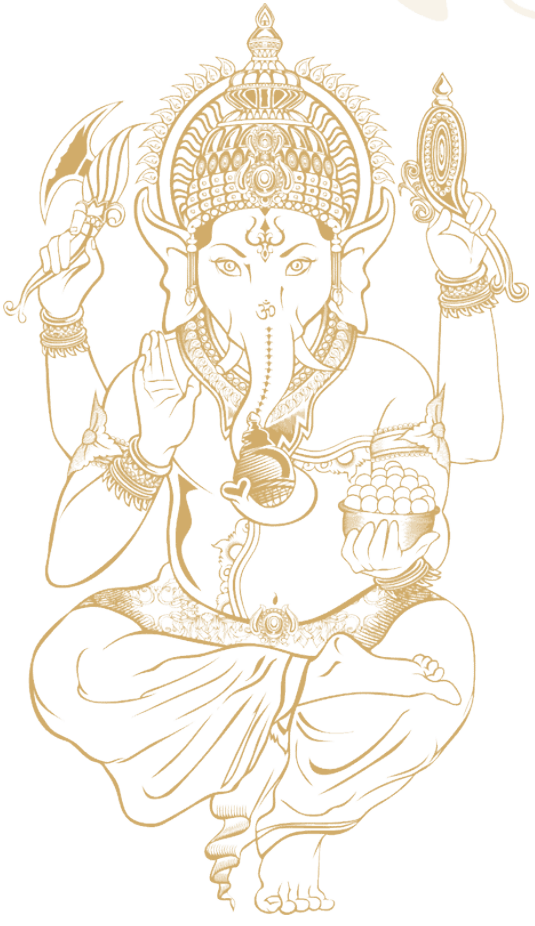

Mr. Sunil

18 Aug 2025

11:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119134204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:30:27 घंटे**
इष्ट	14:06:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:09:19 घंटे
वेलान्तर	-00:03:51 घंटे
साम्पातिक काल	08:56:45 घंटे
सूर्योदय	05:51:58 घंटे
सूर्यास्त	18:57:21 घंटे
दिनमान	13:05:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:20:51 सिंह
लग्न के अंश	14:19:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:19:08	309:27:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	01:20:51	00:57:43	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	28:08:59	14:02:55	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	12:52:10	00:38:04	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	12:52:22	00:49:10	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	21:03:24	00:11:52	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	26:56:49	01:11:01	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मीन	06:40:15	00:03:19	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:18:48	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:18:48	00:02:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:05:46	00:00:57	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:27:48	00:01:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:49:41	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	17:30:49	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:58

लग्न-चलित

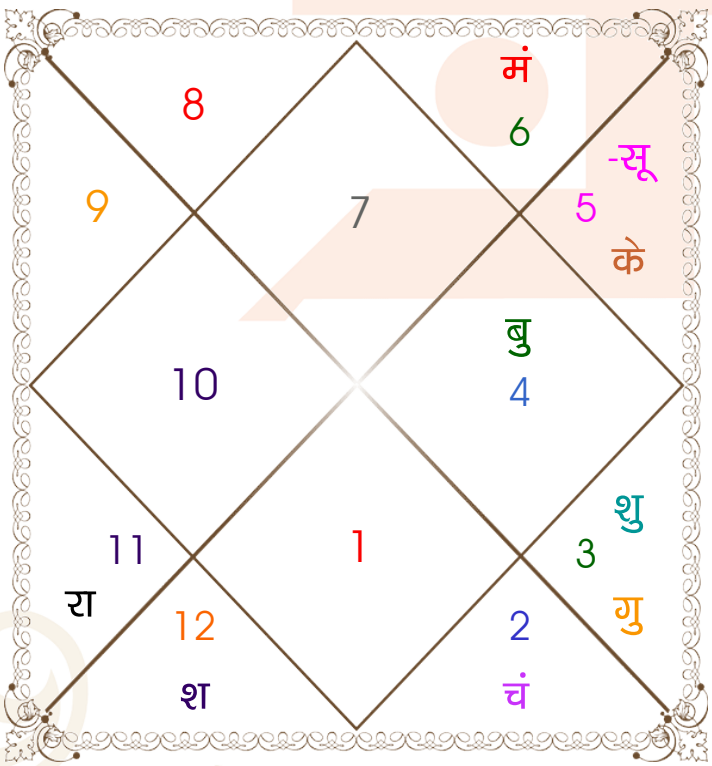

चन्द्र कुंडली

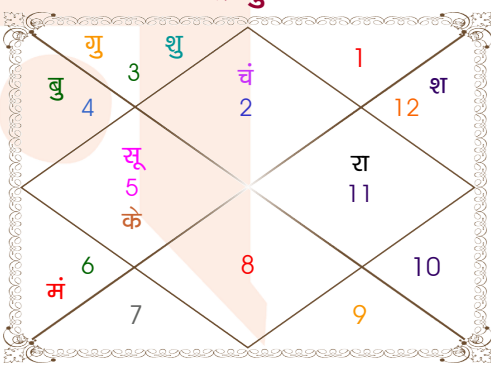

नवमांश कुंडली

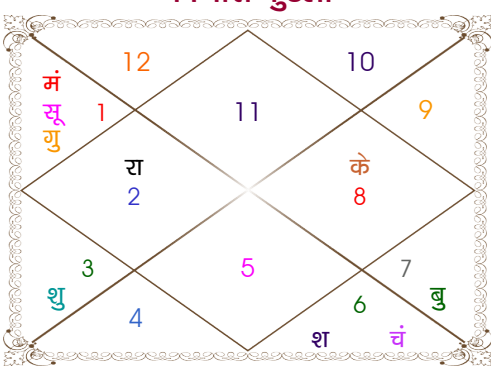

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 5 मास 20 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
18/08/2025		06/02/2030		07/02/2048		07/02/2064		06/02/2083	
06/02/2030		07/02/2048		07/02/2064		06/02/2083		07/02/2100	
	00/00/0000	राहु	19/10/2032	गुरु	27/03/2050	शनि	09/02/2067	बुध	05/07/2085
	00/00/0000	गुरु	15/03/2035	शनि	07/10/2052	बुध	20/10/2069	केतु	02/07/2086
	18/08/2025	शनि	19/01/2038	बुध	13/01/2055	केतु	28/11/2070	शुक्र	02/05/2089
शनि	08/08/2026	बुध	07/08/2040	केतु	20/12/2055	शुक्र	28/01/2074	सूर्य	09/03/2090
बुध	05/08/2027	केतु	26/08/2041	शुक्र	20/08/2058	सूर्य	10/01/2075	चंद्र	08/08/2091
केतु	01/01/2028	शुक्र	26/08/2044	सूर्य	08/06/2059	चंद्र	10/08/2076	मंगल	04/08/2092
शुक्र	02/03/2029	सूर्य	20/07/2045	चंद्र	07/10/2060	मंगल	19/09/2077	राहु	22/02/2095
सूर्य	08/07/2029	चंद्र	19/01/2047	मंगल	13/09/2061	राहु	26/07/2080	गुरु	30/05/2097
चंद्र	06/02/2030	मंगल	07/02/2048	राहु	07/02/2064	गुरु	06/02/2083	शनि	07/02/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/02/2100		07/02/2107		07/02/2127		07/02/2133		07/02/2143	
07/02/2107		07/02/2127		07/02/2133		07/02/2143		00/00/0000	
केतु	06/07/2100	शुक्र	09/06/2110	सूर्य	28/05/2127	चंद्र	08/12/2133	मंगल	07/07/2143
शुक्र	05/09/2101	सूर्य	09/06/2111	चंद्र	27/11/2127	मंगल	09/07/2134	राहु	24/07/2144
सूर्य	11/01/2102	चंद्र	07/02/2113	मंगल	02/04/2128	राहु	08/01/2136	गुरु	30/06/2145
चंद्र	12/08/2102	मंगल	09/04/2114	राहु	25/02/2129	गुरु	09/05/2137	शनि	19/08/2145
मंगल	08/01/2103	राहु	09/04/2117	गुरु	14/12/2129	शनि	09/12/2138		00/00/0000
राहु	27/01/2104	गुरु	09/12/2119	शनि	26/11/2130	बुध	09/05/2140		00/00/0000
गुरु	01/01/2105	शनि	07/02/2123	बुध	03/10/2131	केतु	08/12/2140		00/00/0000
शनि	10/02/2106	बुध	08/12/2125	केतु	08/02/2132	शुक्र	09/08/2142		00/00/0000
बुध	07/02/2107	केतु	07/02/2127	शुक्र	07/02/2133	सूर्य	07/02/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।